F. A. Ahmed): (a) Yes, Sir. The Committee submitted its report to the Government on the 10th May, 1967.

(b) and (c). The Report is at present under consideration of the Government. After Government have formulated its views on the recommendations in the Report, a copy of the Report, along with Government's decisions thereon, will be placed on the Table of the House.

रेलवे दुर्घटनाएं

513. श्री मोलहू प्रसाद :
श्री रामसेवक यादव :
श्री मधु लिमये :
श्री रबि राय :
श्री जार्ज फरनेन्डीज :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री अर्जुन सिंह भदौरिया :
श्री देवकी नन्दन पटोदिया :
श्री मुहम्मद इस्माइल :
श्री यु० कु० लाखड़िया :
श्री गाडिलिंगन गौड़ :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मार्च, 1967 से अब तक देश में महीनेवार कितनी रेल दुर्घटनायें हुई और उनके क्या कारण थे;

(ख) उन दुर्घटनाओं में जान और माल की कितनी क्षति हुई ; और

(ग) सरकार ने इसके लिये कितनी राशि प्रतिकर के रूप में दी ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) मार्च, 1967 और अप्रैल, 1967 के महीनों में भारतीय रेलों में गाड़ियों की टक्कर, उनके पटरी से उतरने, समपारों पर गाड़ियों के सड़क यातायात से टकरा जाने और गाड़ियों में आग लगने की कोटियों में क्रमशः 83 और 91 रेल दुर्घटनायें हुई। इन दुर्घटनाओं के कारण नीचे दिये गये हैं :—

कारण	संख्या
रेल कर्मचारियों की गलती से .	77
रेल कर्मचारियों के अलावा अन्य लोगों की गलती से .	16
यांत्रिक उपस्कर की खराबी से .	14
तोड़फोड़ और पटरी से छेड़-छाड़ के कारण . . .	3
संयोगवश . . .	16
जोड़ .	126
ऐसी दुर्घटनायें जिनके कारणों के बारे में अन्तिम निर्णय नहीं हो सका है	48
कुल जोड़	174

(ख) इन दुर्घटनाओं में 9 व्यक्ति मरे। इन 9 व्यक्तियों में से 3 व्यक्ति चौकीदार रहित समपार पर दुर्घटना में और एक व्यक्ति तोड़फोड़ की दुर्घटनाओं में/किसी भी दुर्घटना के लिए कोई रेल कर्मचारी जिम्मेदार नहीं था।

रेल सम्पत्ति को अनुमानतः लगभग 14,19,125 रु० की क्षति हुई।

(ग) अभी तक क्षतिपूर्ति के किसी दावे का भुगतान नहीं हुआ है।

Tenders for Fabrication of Steel structures

514. **Shri A. B. Vajpayee:**
Shri Shri Gopal Saboo:
Shri Brij Bhushan Lal:
Shri Sharda Nand:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether it is a fact that open tenders were invited by the Chittaran-

jan Locomotive Works in July, 1962 for fabrication of 1580 tons of steel structure;

(b) whether the contract was assigned to a firm whose quotation was highest of all the seven tenderers who had applied for it;

(c) whether the quantum of work was subsequently revised piecemeal to the benefit of the firm;

(d) if so, the reasons therefor;

(e) whether the entire deal for allotment of the contract to the firm has been investigated and responsibility fixed; and

(f) if not, the reasons therefor?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) Yes, in connection with the Steel Foundry Project.

(b) Initially out of 13 tenderers, three did not quote with "contractor's" steel; of the rest the eighth lowest was accepted for reasons recorded by the Tender Committee.

(c) and (d). A major revision in the quantum of work had to be made in the light of additional requirements worked out subsequently in consultation with technical collaborators for the Steel Foundry. This revision was solely in the interest of the Project.

(e) A high level Committee of Additional Members of the Railway Board was constituted to investigate into the procedural lapses noticed in this case which Committee has since been expanded to include a representative of Audit also as suggested by the Public Accounts Committee in their 72nd Report. This Committee will cover also the points raised in the said Report.

(f) Does not arise.

Export of Lac

515. **Shri K. P. Singh Deo:**
Shri Dhirendranath:
Shri Yogendra Sharma:

Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether it is a fact that export of Lac has declined heavily necessiating the closure of certain factories;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the number of workers affected?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) No, Sir. After a spell of decline during 1964-65 and 1965-66 exports are now showing an upward trend.

(b) and (c). Do not arise.

गजरौला और चंदौसी जंक्शन (उत्तर रेलवे) के बीच रेलवे लाइन

516. **श्री ओम प्रकाश त्यागी :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत की उत्तरी सीमा पर चीन के बढ़ते हुए खतरे को ध्यान में रखते हुए गजरौला और चंदौसी जंक्शनों के बीच एक सीधी रेलवे लाइन बिछाने का प्रस्ताव है जिससे कि सभी परिस्थितियों में बिना रोक-टोक के दिल्ली बरेली रेलवे सेक्शन पर रेलगाड़ियां चलती रहें ; और

(ख) क्या रेलवे प्रशासन ने इस रेलवे लाइन को बिछाने की दृष्टि से कोई सर्वेक्षण किया है और यदि हां, तो उस का क्या परिणाम निकला है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) गजरौला और चन्दौसी के बीच सीधी रेलवे लाइन बिछाने के बारे में रक्षा मंत्रालय से अभी तक इस तरह का कोई सुझाव नहीं मिला है । इसके अलावा, गजरौला से चन्दौसी तक पहले ही रेलवे लाइन मौजूद है और परिचालन की दृष्टि से वहां एक और लाइन बिछाने का औचित्य नहीं है ।